भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1751
दिनांक 16 दिसम्बर, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

क्षयरोग टीकाकरण

1751. श्री मारगनी भरत:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपाकरेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि प्रारंभिक अवस्था में बीसीजीटीकाकरण के बाद भी, 40 वर्ष की आयु पार करने के बाद भी टीबीकी पुनरावृत्ति हो सकती है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) आईसीएमआर द्वारा विकसित त्वचा टीबी परीक्षण काब्यौरा क्या है;
(घ) क्या ऐसा परीक्षण बाजार में उपलब्ध है और यदि नहीं, तोकब तक यह लोगों के लिए उपलब्ध होने की संभावना है;
(ङ) क्या सरकार शीघ्र पहचान और रोकथाम के बजायबीमारी पर अधिक ध्यान दे रही है; और
(च) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और देश से टीबी हटानेके लिए सरकार की कार्ययोजना क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ भारती प्रविण पवार)

(क) और (ख): बीसीजी टीकाकरण बच्चों में टीबी के गंभीर रूपों को रोक सकता है और समय के साथ वैक्सीन की सुरक्षात्मक प्रभावकारिता कम हो जाती है। टीकाकरण के बाद भीक्षयरोग का खतरा किसी व्यक्ति के लिए रहता है, अगर वह किसी भी उम्र में बैक्टीरिया के संपर्क में आता है।हालांकि टीबी संक्रमण टीबी रोग में बदल जाता है, अगर विभिन्न स्थितियों के कारण व्यक्ति की प्रतिरक्षा जोखिम में आ जाती है।

(ग) और (घ):निहित क्षयरोग संक्रमण का पता लगाने के लिए एक नया त्वचा परीक्षण एक निजी एजेंसी द्वारा विकसित किया गया है जिसे आईसीएमआर द्वारा मान्य किया गया है और भारत के औषध महानियंत्रक (डीजीसीआई) द्वारा बाजार प्राधिकार अनुमोदन प्रदान किया गया है।

(ङ) और (च): वर्ष 2025 तक क्षयरोग से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने और चुनौतियों का समाधान करने के लिए राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम निम्नानुसार प्रमुख कार्यकलापों को कार्यान्वित करता है:

- अधिक आबादी वाले क्षेत्रों में लक्षित कार्यों के लिए राज्य और जिला विशिष्ट रणनीतिक योजना।
- औषध प्रतिरोधी क्षयरोग सहित क्षय रोगियों को निशुल्क औषधियों और नैदानिक सुविधा का प्रावधान।
- प्रमुख कमजोर और सह-रुग्ण आबादी में सक्रिय टीबी मामलों का पता लगाने का अभियान।
- समुदाय के करीब स्क्रीनिंग और उपचार सेवाओं को विकेंद्रीकृत करने के लिए आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के साथ एकीकरण।
- क्षयरोग के मामलों की अधिसूचना और प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन सहित निजी क्षेत्र की भागीदारी।
- मोलिक्युलर नैदानिक प्रयोगशालाओं को उप-जिला स्तरों तक बढ़ाना।
- क्षयरोग के रोगियों को पोषण संबंधी सहायता के लिए नि-क्षय पोषण योजना।
- कलंक को कम करने, सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य की मांग करने वाले व्यवहार में सुधार के लिए आईईसी अभियानों को तेज किया।
- संबंधित मंत्रालयों की भागीदारी के साथ बहु-क्षेत्रीय अनुक्रिया।
- पुलमोनरी टीबी के संपर्कों के लिए टीबी निवारक चिकित्सा को बढ़ाना।
- एक केस-आधारित वेब-आधारित पोर्टल अर्थात् नि-क्षय के माध्यम से अधिसूचित टीबी मामलों का पता लगाना।
- प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (पीएमटीबीएमबीए)
    - टीबी से पीड़ित व्यक्तियों को अतिरिक्त पोषण निदान और व्यावसायिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से टीबी मरीजों को सामुदायिक सहायता देने के लिए मंत्रालय द्वारा 9 दिसंबर 2022 को शुरू किया गया।
    - निक्षय मित्र के रूप में पंजीकृत करने के लिए समुदाय को सुविधा प्रदान करने के लिए निक्षय 2.0 पोर्टल विकसित किया गया और पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराया गया
    - पहल करने के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज विकसित किए गए और सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को साझा किए गए।
    - राष्ट्रीय और राज्य/संघ राज्य स्तरों पर पहल की प्रगति की निगरानी के लिए आवधिक समीक्षा की जाती है।

*****